



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 34]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 29, 1984/आश्विन 7, 1906

No. 34]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 29, 1984/ASVINA 7, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 4 PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किये गये सांविधिक नियम और आदेश Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, 20 जून, 1984

का.नि.आ. 194 —राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, वायु मुख्यालय (ज्येष्ठ डिजाइन इंजीनियर) भर्ती नियम, 1972 को उन बातों के विषय में अधिशोध करने हुए, जिन्हें ऐसे अधिशोध से पहले किया गया है या करने से छोड़ दिया गया है, वायु सेना मुख्यालय में ज्येष्ठ डिजाइन इंजीनियर के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ . (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम रक्षा मंत्रालय वायु सेना मुख्यालय (ज्येष्ठ डिजाइन इंजीनियर) भर्ती नियम, 1984 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान.—उक्त पद की संख्या उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान यह होगा जो इन नियमों से उपाधक अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति आयु-सीमा, अर्हताएं, आदि:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निम्नलिखित:— वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

5. यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन प्रत्यक्ष है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

6. शिथिल करने की शक्ति —जहां केन्द्रीय सरकार को यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक था समीचीन है वहां वह, उसके लिये जो कारण है उन्हें संतुष्ट करके संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकती है।

6 व्यापारिक इन विषयों में बाईं भी बात ऐसे आरक्षणों, आय-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालती, निम्नलिखित सरकार द्वारा इस समय या भविष्य-काल पर निर्धारित गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियाँ, अनुसूचित जनजातियाँ और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिये उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची						
पद का नाम	पद की संख्या	वर्गीकरण	वैयक्तिक	चयन पद्धति तथा आवश्यक पद	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये आय-सीमा	सेवा में जाते गये वर्षों का फायदा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं।
1	2	3	4	5	6	7
ज्येष्ठ डिजाइन इंजीनियर	1* (1981) टिप्पण *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केंद्रीय सेवा समूह "क" राजपक्षिण अनुसूचितचिह्नित	1500-60-1800- 100-2000 रु०	सागू नहीं होता	50 वर्ष से अधिक नहीं (केंद्रीय सरकार द्वारा जारी किये गये अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवा के लिये 5 वर्ष तक शिक्षित हो आ सकती है।) टिप्पण आय-सीमा अनु-धारित करने के लिये निर्धारित तारीख, भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे मिलें और अनुमान और निकाशा होप तथा अनुसूचित से रहने हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिये नियत की गई अंतिम तारीख होगी।	हां

सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये शैक्षिक और अन्य अर्हताएं

सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए विशिष्ट आय और शैक्षिक अर्हताएं प्रोक्त व्यक्तियों की दशा में लागू होगी या नहीं

7	8
(1) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से वायुगति की या वायुयान संरचना के क्षेत्र में वैमानिक इंजीनियरी में मास्टर की उपाधि या समतुल्य।	लागू नहीं होगा
(2) वायुयान के डिजाइन/विकास में 12 वर्षों का अनुभव (जिसके अन्तर्गत वायुयान उद्योग में उत्पादन में 3 वर्षों का अनुभव भी है)।	
(3) वायुयान का डिजाइन कार्य प्रारंभ करने और उसमें परीणता प्राप्त करने में विवेकपूर्ण इंजीनियरी निर्णय लेने की तकनीकी योग्यता होनी चाहिए।	
(4) विशाल सामग्री प्रक्रिया डिजाइन की अपेक्षाओं, मानकों और डिजाइन कार्यालय की अपेक्षाओं का अच्छा ज्ञान होना चाहिए।	
टिप्पण 1 अर्हताएं, अन्यथा सहायक अभ्यर्थियों की दशा में सब लोग सेवा आयोग के विवेकानुसार शिक्षित की जा सकती हैं।	
2 अनुभव संबंधी अर्हता सब लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिक्षित की जा सकती है, जब चयन के किसी प्रक्रम पर सब लोक सेवा आयोग भी यह राय है कि उनके लिये आरक्षित स्थितियों को भरने के लिये अपेक्षित अनुभव रखने वाले समुदायों के अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे।	
वास्तविक किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वायुगति की या वायुयान संरचना के क्षेत्र में वैमानिक इंजीनियरी में डॉक्टर की उपाधि या समतुल्य।	

परिक्षा की अवधि, यदि कोई हो।	भर्ती की पद्धति—भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता।	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती के दशा में वे श्रेणियाँ जिनमें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जायेगा।
------------------------------	--	--

9	10	11
1. वर्ष (सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये)	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण जिसके तहत होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा के ऐसे अधिकारी : (क) (1) जो सदृश पद धारण किये हुए हैं, या (2) जिन्होंने 1100-1600 रु० के या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर 5 वर्ष सेवा की है, और (ख) जिनके पास सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये स्तम्भ 7 में अधिकांशतः शैक्षिक अर्हताएं प्राप्त अनुभव हैं। (प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत उसी संगठन/विभाग में डम नियुक्ति में ठीक पहले धारित किसी अन्य काष्ठरबाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, माधारण 4 वर्ष से अधिक नहीं होगी।)

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में सच लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा।

12

13

(पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिये) समूह "क" विभागीय प्रोन्नति समिति:

- (1) संयुक्त सचिव, (स्था०) रक्षा मंत्रालय—अध्यक्ष
- (2) प्रशासनिक रूप से संबंधित संयुक्त सचिव—सदस्य
- (3) सहायक वायुसेनाध्यक्ष, वायु सेना मुख्यालय—सदस्य।

टिप्पण: पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियाँ संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जायेंगी। किन्तु यदि संघ लोक सेवा आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो, विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में भी हो सकती है।

[फा० सं० ए-16958/सा० ए० ओ०/आर० II]
टी० पाणिग्राही, उप मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 20th June, 1984

S.R.O. 194.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Air Headquarters (Senior Design Engineer) Recruitment Rules, 1972, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Senior Design Engineer in Air Headquarters, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of Defence, Air Headquarters (Senior Design Engineer) Recruitment Rules, 1984.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government, if of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any

of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be

provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection post or Non-Selection post	Age limit for direct recruits
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Senior Design Engineer	*1 (1984) *Subject to variation dependent on work-load	General Central Service, Group 'A', Gazetted, Non-Ministerial	Rs.1500-60-1800-100-2000	Not applicable	Not exceeding 30 years (Relaxable for Government servants by 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government) Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (Other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep)
Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the CCS (Pension) Rules, 1972		Educational and other qualifications required for direct recruits.			
6(a)		(7)			
Yes		ESSENTIAL			
		(i) Master's Degree in Aeronautical Engineering in the field of Aerodynamics or Aircraft Structure from a recognised University or equivalent			
		(ii) 12 years' experience in design/development of aircraft (including about 3 years' experience in aircraft industry in production).			
		(iii) Should possess technical ability to exercise sound engineering judgement in initiating and perfecting aircraft designs.			
		(iv) Should possess good knowledge of aircraft material, process design requirements, standards and design office procedure.			
		Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.			
		Note 2 : The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.			
		DESIRABLE. Doctorate degree in Aeronautical Engineering in the field of Aerodynamics or Aircraft structure from a recognised University or equivalent.			
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees		Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made	
(8)		(9)	(10)	(11)	
Not applicable		1 year (for direct recruits)	By transfer on deputation failing which by direct recruitment	TRANSFER ON DEPUTATION Officers of the Defence Research and Development service; (a) (i) holding analogous posts; or (ii) with 5 years' service in posts in the scale of Rs. 1100-1600 or equivalent; and	

8	9	10	11
			(b) possessing the educational qualifications and experience laid down for direct recruits under column 7.
			(Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same organisation/department shall not exceed 4 years).

If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition

Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment

(12)

(13)

GROUP 'A' DEPARTMENTAL PROMOTION COMMITTEE

(for considering confirmation) :

- (i) Joint Secretary (E), Ministry of Defence—Chairman
- (ii) Joint Secretary Administratively concerned—Member
- (iii) Assistant Chief of the Air Staff, Air Headquarters—Member

Union Public Service Commission shall be consulted while making direct recruitment

Note : The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation shall be sent to the Union Public Service Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission, a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.

[F.No.A-16958/CAO/R-III]

T. PANIGRHY, Dy. Chief Administrative Officer

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1984

कां० सि० आ० 195—केन्द्रीय सरकार, नौसेना अधिनियम, 1937 (1957 का 62) की धारा 184 द्वारा प्रवृत्त नौसैनिकों का प्रयोग करने हेतु, नौसेना (पेंशन) विनियम, 1964 का और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित विनियम बनायी है, अर्थात् :-

1 (1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम नौसेना (पेंशन) पहला संशोधन विनियम, 1984 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. नौसेना (पेंशन) विनियम 1964 के परिशिष्ट 8 में (जिसमें इसमें इसके पश्चात् मूल विनियम कहा गया है) प्रत्येक 8 के पश्चात् निम्नलिखित प्रत्येक अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

"प्रत्येक 8-क"

सेवान्धता के पश्चात् या छुट्टी पर घर पर रहने के दौरान मृत्यु के मामलों में जब मृतक का उपचार किसी अहित चिकित्सा व्यवसायी द्वारा किया गया था मृत्यु-प्रमाण-पत्र का प्रत्येक

1. मृतक का नाम
2. पता
3. प्रणोतक रोग के प्रारम्भ की तारीख
4. रोग का नाम, प्रकृति और लक्षण
5. कृपया की अवधि
6. चिकित्सा परिचारक से प्राप्त उपचार की विनिर्दिष्ट

7. मृतक द्वारा अपनी सेवान्धता के पश्चात् प्राप्त चिकित्सा उपचार संबंधित जानकारी (यदि पता हो)

8. मृत्यु का समय और तारीख

स्थान :

चिकित्सा व्यवसायी के हस्ताक्षर

तारीख

पदनाम

रजिस्ट्रेशन सं०

प्रत्येक 8-क

सेवान्धता के पश्चात् या छुट्टी पर घर पर रहने के दौरान मृत्यु के मामलों में जब मृतक का उपचार अहित चिकित्सा व्यवसायी द्वारा नहीं किया गया था दावेदार का कथन

दावेदार का कथन

श्री/श्रीमती का कथन

का नाम----- रक्त सं०----- का पिता/माता/विधवा----- कुटुंब आश्रित पेंशन के लिये दावेदार-----

1. मृत्यु की तारीख और समय

2. रोग का नाम जिसमें मृत्यु हुई

3. मृतक द्वारा अपनी सेवान्धता के पश्चात् प्राप्त किये गये चिकित्सा के व्यय

4. मृत्यु कारित करने वाला रोग जब प्रारम्भ हुआ, यहाँ तारीख यदि पता हो अन्यथा लगभग मास और वर्ष उपदर्शित करें

5. मृत्यु कारित करने वाले रोग के चिह्न और लक्षण नीचे दें

(यहां मक्षिण व्योरे, जैसे दर्द का स्थान और प्रकृति ध्वाम अवराज मृजल, उदर विकार, अस्वेतन अवस्था, उदर आदि और कोई अन्य विलक्षण लक्षण है)

6. उसका उपचार किसी चिकित्सा व्यवसायी द्वारा नहीं किया गया था क्योंकि—

(यहां कारण दें कि क्यों कोई चिकित्सा उपचार नहीं दिया गया)

स्थान दावेदार के हस्ताक्षर या अंगुठे का निशान
तारीख

हम प्रमाणित करने हैं कि हम उपरोक्त तथ्यों का वैयक्तिक तौर पर जानत हैं और ये सही हैं।

(i) प्रथम साक्षी (नाम और पता) के हस्ताक्षर/अंगुठे का निशान

(ii) द्वितीय साक्षी (नाम और पता) के हस्ताक्षर/अंगुठे का निशान।

स्थान
तारीख

3 मूल विनियम के परिशिष्ट 9 में --

(1) मद 3(क) के सामने "अधिकारी" शीर्षक के नीचे--

(1) स्तम्भ 1 में

(क) विद्यमान उपमद (3), (4) और (5) को क्रमशः उपमद (1), (1) और (1) के रूप में पुनः संश्लेषित किया जायेगा

(ख) हम प्रकार पुनः संश्लेषित उपमद (4) के स्थान पर निम्नलिखित उपमद रखी जायेगी अर्थात् --

'(4) जब किसी अधिकारी की मृत्यु स्वस्थित के पश्चात् या छुट्टी पर घर पर रहने के दौरान हो जाती है तब--

(I) यदि मृत अधिकारी का उपचार किसी अहित चिकित्सा व्यवसायी द्वारा किया गया था तो परिशिष्ट 8 में यथाविवक्षित प्रत्येक एक में एक मृत्यु प्रमाण-पत्र

(II) यदि मृत अधिकारी का उपचार किसी अहित चिकित्सक व्यवसायी द्वारा नहीं किया गया था तो परिशिष्ट 8 में यथाविवक्षित प्रत्येक एक में दावेदार और दो विध्वंसनीय और द्विगृहीत माश्रियों का एक कथन और ग्राम या नगरपालिका मृत्यु रजिस्टर, यदि रखा गया हो से उद्धरण।

(III) स्तम्भ 4 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जायेगी, अर्थात् --

"दावेदार से रक्षा लेखा (पेशन) के नियंत्रक का मद (1),

(2) और (1) के प्रत्येक में और रक्षा मंत्रालय के नौसेना मुख्यालय से मद (3) के प्रत्येक में।"

(IV) स्तम्भ 5 के अन्त में निम्नलिखित जोड़ा जायेगा, अर्थात् --

(1) किसी अधिकारी/सूत्रपथ अधिकारी की मृत्यु के बारे में सूचना प्राप्त होने पर परिशिष्ट 8 में यथाविवक्षित प्रत्येक प्रत्येक एक और एक की एक-एक प्रति यथास्थिति नौसेना मुख्यालय/रक्षा लेखा (पेशन) के नियंत्रक द्वारा उपयुक्त अनुदेशों के साथ दावेदार को भेजी जायेगी,

(2) "नौसैनिक" शीर्षक के नीचे मद 5 के सामने--

(क) स्तम्भ 1 में, उपमद 5(ख) के स्थान पर निम्नलिखित उपमद रखी जायेगी अर्थात् --

"(ख) जब किसी नौसैनिक की मृत्यु, सेवास्थिति के पश्चात् या छुट्टी पर घर पर रहने के दौरान हो जाती है तब--

(I) यदि मृत नौसैनिक का उपचार किसी अहित चिकित्सा व्यवसायी द्वारा किया गया था तो परिशिष्ट 8 में यथाविवक्षित प्रत्येक एक में एक मृत्यु प्रमाण-पत्र,

(II) यदि मृत नौसैनिक का उपचार किसी अहित चिकित्सा व्यवसायी द्वारा नहीं किया गया था तो परिशिष्ट 9 में यथाविवक्षित प्रत्येक एक में दावेदार और दो विध्वंसनीय और द्विगृहीत माश्रियों का एक कथन और ग्राम या नगरपालिका मृत्यु रजिस्टर, यदि रखा गया हो से उद्धरण।

(III) दावेदार से पत्र-त आवेदन-पत्र (मूल में) यदि कोई हो,

(ख) स्तम्भ 5 के अन्त में उपमद 5(ख) के सामने निम्नलिखित जोड़ा जायेगा, अर्थात् --

"किसी नौसैनिक/सूत्रपथ नौसैनिक की मृत्यु के बारे में सूचना प्राप्त होने पर, परिशिष्ट 8 में यथाविवक्षित प्रत्येक प्रत्येक एक और एक की एक-एक प्रति नौसैनिक दफ्तर द्वारा भेजी जायेगी।

[नौसेना मुख्यालय पत्र पी एन 3160]

[रक्षा मंत्रालय अंश 0 पत्र 48721/पैन-पी/1983]

[विध्वंस मंत्रालय अंश 0 पत्र 1915/एग/1984]

शिवराज नाकिर, उप सचिव (पेशन)

New Delhi, the 28th August, 1984

S.R.O. 195. - In exercise of the powers conferred by section 184 of the Navy Act, 1957 (62 of 1957), the Central Government hereby makes the following regulations, further to amend the Navy (Pension) Regulations, 1964, namely --

1. (1) These regulations may be called the Navy (Pensions) 1st Amendment Regulations, 1984,

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette

2. In Appendix VIII to the Navy (Pension) Regulations, 1964 (hereinafter referred to as the principal regulations), after form 8, the following forms shall be inserted, namely --

"Form 8-A

FORM OF DEATH CERTIFICATE IN CASES OF DEATH AFTER DISCHARGE OR AT HOME WHILE ON LEAVE WHEN THE DECEASED WAS TREATED BY A QUALIFIED MEDICAL PRACTITIONER

1. Name of the deceased

2. Address--

3. Date of onset of the fatal disease--

4. Name, nature and symptoms of the disease

5. Duration of illness--

6. Particulars of treatment received from the Medical Attendant--

7. Information (if known) regarding medical treatment received by the deceased since his discharge from service

8. Time and date of death--

Signature of the

Medical Practitioner--

Designation--

Read No. --

Place

Date

Form 8-B

STATEMENT OF CLAIMANT IN CASES OF DEATH AFTER DISCHARGE OR AT HOME WHILE ON LEAVE WHEN THE DECEASED WAS NOT TREATED BY A QUALIFIED MEDICAL PRACTITIONER

STATEMENT OF CLAIMANT

Statement of Shri/Smt. _____
 Father/Mother/Widow of Rank _____ No. _____
 Name _____ of _____
 Claimant for family dependent pension _____
 1. Date and time of death _____
 2. Name of disease which caused death _____
 3. Details of medical treatment received by the deceased since his discharge from service _____
 4. The disease causing death started on (here give the date, if known, otherwise indicate the approximate month and year) _____
 5. Signs and symptoms of disease causing death are given below.
 (here give brief details like location and nature of pain, breathing difficulties, inflammations, stomach disorders, loss of consciousness, fever, etc. and any other peculiar symptoms)

6. He was not treated by any medical practitioner as...
 (here give reasons why no medical treatment was given)

Place _____
 Date _____

Signature or thumb impression
 of the claimant.

We certify that the above facts are known to us personally and that they are correct.

- (i) Signature/Thumb Impression
 1st witness (Name and Address)
 (ii) Signature/Thumb Impression
 2nd witness (Name and Address)

Place _____
 Date _____

3. In Appendix IX to the principal regulations :—

(1) Under the heading "Officers", against item 3(a),—

(i) in column 3,—

- (a) the existing sub-items (3), (4) and (5) shall be renumbered as sub-items (2), (3) and (4), respectively;
 (b) for sub-item (4), as so renumbered, the following sub-item shall be substituted, namely :—

"(4) When death of the officer occurs after discharge from service or at home while on leave,—

- (i) if the deceased officer was treated by a qualified medical practitioner, a death certificate in form No. 8A as prescribed in Appendix VIII,
 (ii) if the deceased officer was not treated by a qualified medical practitioner a statement of the claimant and two reliable and disinterested witnesses in form No. 8B, as prescribed in Appendix VIII, together with an extract from the Village or Municipal death register, if maintained";

(iii) in column 4, for the existing entry, the following entry shall be substituted namely :—

"Forms at items (1), (2) and (4) from the claimant to the Controller of Defence Accounts (Pensions) and forms at item (3) from Naval Headquarters to the Ministry of Defence";

(iv) In column 5, the following shall be added at the end, namely :—

"On receipt of information about the officer's/ex-officer's death, a copy of each of form Nos. 8A and 8B, as prescribed in Appendix VIII, shall be forwarded to the claimant with suitable covering instructions by the Naval Headquarters/Controller of Defence Accounts (Pensions) as the case may be";

(2) Under the heading "Sailors", against item 5,—

- (a) In column 3 for sub-item 5(B), the following sub-item shall be substituted, namely :—

"(B) When death of the sailor occurs after discharge from service or at home while on leave,—

- (i) if the deceased sailor was treated by a qualified medical practitioner, a death certificate in form No. 8A, as prescribed in Appendix VIII,
 (ii) if the deceased sailor was not treated by a qualified medical practitioner, a statement of the claimant and two reliable and disinterested witnesses in form 8B, as prescribed in Appendix VIII, together with an extract from the Village or Municipal death register, if maintained;
 (iii) first application (in original) from the claimant if any";

(b) in column 5, against sub-item 5(B), the following shall be added at the end, namely :—

"On receipt of information about the sailor's/ex-sailor's death, a copy each of forms Nos. 8A and 8B, as prescribed in Appendix VIII, shall be forwarded by the Captain Bureau of Sailors".

[NHQ File No. No. PN/3160]

[Min. of Def. U.O. 4872/Pen-C of 1984]

[Min. of Fin. U.O. 1915/S/Pen of 1983]

SHIV RAI NAFIR, Dy. Secy. (Pensions)

नई दिल्ली, 10 मितम्बर, 1984

कां००३० 196 :- केन्द्रीय सरकार राजभाषा (मंच के शासकीय प्रयोजनों के लिये प्रयोग) नियम 1976 के नियम 10 के उप-नियम (1) के अनुसर्ण में निम्नलिखित कार्यालयों की, जिनके कर्मचारीवृत्त ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

महानिदेशालय, राष्ट्रीय क्रेडिट कोर,

1. राष्ट्रीय क्रेडिट कोर निदेशालय, दिल्ली

2. राष्ट्रीय क्रेडिट कोर निदेशालय, मथुरा,

Form 8-B

STATEMENT OF CLAIMANT IN CASES OF DEATH AFTER DISCHARGE OR AT HOME WHILE ON LEAVE WHEN THE DECEASED WAS NOT TREATED BY A QUALIFIED MEDICAL PRACTITIONER

STATEMENT OF CLAIMANT

Statement of Shri/Smt. _____
 Father/Mother/Widow of Rank _____ No. _____
 Name _____ of _____

Claimant for family dependent pension _____

1. Date and time of death _____
2. Name of disease which caused death _____
3. Details of medical treatment received by the deceased since his discharge from service _____
4. The disease causing death started on (here give the date, if known, otherwise indicate the approximate month and year) _____
5. Signs and symptoms of disease causing death are given below.
 (here give brief details like location and nature of pain, breathing difficulties, inflammations, stomach disorders, loss of consciousness, fever, etc. and any other peculiar symptoms) _____

6. He was not treated by any medical practitioner as . . .
 (here give reasons why no medical treatment was given) _____

Place _____

Date _____

Signature or thumb impression
 of the claimant

We certify that the above facts are known to us personally and that they are correct.

(i) Signature/Thumb Impression
 1st witness (Name and Address) _____

(ii) Signature/Thumb Impression
 2nd witness (Name and Address) _____

Place _____

Date _____

3. In Appendix IX to the principal regulations :—

(1) Under the heading 'Officers', against item 3(a),—

(i) in column 3,—

(a) the existing sub-items (3), (4) and (5) shall be renumbered as sub-items (2), (3) and (4), respectively;

(b) for sub-item (4), as so renumbered, the following sub-item shall be substituted, namely :—

“(4) When death of the officer occurs after discharge from service or at home while on leave,—

(i) if the deceased officer was treated by a qualified medical practitioner, a death certificate in form No. 8A as prescribed in Appendix VIII,

(ii) if the deceased officer was not treated by a qualified medical practitioner a statement of the claimant and two reliable and disinterested witnesses in form No. 8B, as prescribed in Appendix VIII, together with an extract from the Village or Municipal death register, if maintained”;

(iii) in column 4, for the existing entry, the following entry shall be substituted namely —

“Forms at items (1), (2) and (4) from the claimant to the Controller of Defence Accounts (Pensions) and forms at item (3) from Naval Headquarters to the Ministry of Defence.”;

(iv) In column 5, the following shall be added at the end, namely :—

“On receipt of information about the officer's/ex-officer's death, a copy of each of form Nos. 8A and 8B, as prescribed in Appendix VIII, shall be forwarded to the claimant with suitable covering instructions by the Naval Headquarters/Controller of Defence Accounts (Pensions) as the case may be”;

(2) Under the heading “Sailors”, against item 5,—

(a) In column 3 for sub-item 5(B), the following sub-item shall be substituted, namely :—

“(B) When death of the sailor occurs after discharge from service or at home while on leave,—

(i) if the deceased sailor was treated by a qualified medical practitioner, a death certificate in form No. 8A, as prescribed in Appendix VIII,

(ii) if the deceased sailor was not treated by a qualified medical practitioner, a statement of the claimant and two reliable and disinterested witnesses in form 8B, as prescribed in Appendix VIII, together with an extract from the Village or Municipal death register, if maintained;

(iii) first application (in original) from the claimant if any”;

(b) in column 5, against sub-item 5(B), the following shall be added at the end, namely :—

“On receipt of information about the sailor's/ex-sailor's death, a copy each of forms Nos. 8A and 8B, as prescribed in Appendix VIII, shall be forwarded by the Captain Bureau of Sailors”

[NHQ File No. No PN/3160]

[Min. of Def. U.O. 4872/Pen-C of 1984]

[Min. of Fin. U.O. 1915/S/Pen of 1983]

SHIV RAJ NAFIR, Dy. Secy. (Pensions)

नई दिल्ली, 10 मिनम्बर, 1984

का०नि०आ० 196 -- केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिये प्रयोग) नियम 1976 के नियम 10 के उप-नियम (1) के अनुसरण में निम्नलिखित कार्यालयों की, जिनके कर्मचारीवृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है अभिमूर्चित करनी है.--

महानिदेशावय राष्ट्रीय कैडेट कोर

1 राष्ट्रीय कैडेट कोर निदेशालय, दिल्ली

2 राष्ट्रीय कैडेट कोर निदेशालय लखनऊ,

3. राष्ट्रीय कैडेट कोर निदेशालय, अहमदाबाद
4. राष्ट्रीय कैडेट कोर निदेशालय, विवेकपुर,
5. राष्ट्रीय कैडेट कोर निदेशालय, पटना,
6. राष्ट्रीय कैडेट कोर निदेशालय, जयपुर,
7. राष्ट्रीय कैडेट कोर निदेशालय, श्रीनगर
8. राष्ट्रीय कैडेट कोर निदेशालय, भोपाल,
9. राष्ट्रीय कैडेट कोर निदेशालय, चंडीगढ़
10. राष्ट्रीय कैडेट कोर निदेशालय, सिकन्दरगढ़,
11. राष्ट्रीय कैडेट कोर महिला अफसर प्रशिक्षण स्कूल, ग्वालियर।

[सं० एक० 1(1)/83-डी(हिन्दी-1)]

अनुग्रह नारायण निवारी, निदेशक (योजना)

New Delhi, the 10th September, 1984

S.R.O. 196.—In pursuance of sub-rule 4 of Rule 10 of the Official Language (use for official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the fol-

lowing offices, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi :—

Director General, National Cadet Corps.,

- 1 Directorate of National Cadet Corps, Delhi.
2. Directorate of National Cadet Corps, Lucknow.
- 3 Directorate of National Cadet Corps, Ahmedabad.
- 4 Directorate of National Cadet Corps, Trivendrum.
5. Directorate of National Cadet Corps, Patna.
6. Directorate of National Cadet Corps, Jaipur.
7. Directorate of National Cadet Corps, Srinagar.
8. Directorate of National Cadet Corps, Bhopal.
9. Directorate of National Cadet Corps, Chandigarh.
10. Directorate of National Cadet Corps, Sikanderabad.
11. National Cadet Corps Women Officer Training School, Gwalior.

[F. No. 1(1)/83-D(Hindi-1)]

A. N. TIWARI, Director (Planning)